

GOLDEN HILLS

GREATEST PLACE TO HEAL AND CALM



About Us

AG INFRATECH - Premium Real Estate Developer

AG INFRATECH is a leading real estate developer in India, established in 2005, with a strong reputation for quality, innovation, and customer satisfaction. Specializing in residential (luxury apartments, villas) and commercial (office spaces, retail complexes) projects, the company has delivered 50+ projects across 15+ cities, serving 10,000+ customers.

Key Highlights:

- Mission: Sustainable, customer-centric spaces enhancing quality of life.
- Services: End-to-end solutions including property investment, management, legal assistance, and financial aid.
- Differentiators: Timely delivery, eco-friendly practices, innovative designs, and award-winning excellence (25+ awards)





Know about GOLDEN HILLS

Imagine a special place far away from the noisy city, called Golden Hills. It's in a quiet part of Rajasthan, surrounded by pretty mountains and lots of green trees.

At Golden Hills, you can have your very own farmhouse. It's like a cozy home where you can relax and have fun. It has old-style charm but also comfy new things.

This place is perfect for:

- **Weekend fun:** You can go there on holidays and weekends to play and relax.
- **Growing your own food:** You can plant fruits and vegetables, just like a farmer!
- **Building your dream house:** You can make a beautiful home exactly how you want it.

Golden Hills is a gated community, which means it's a safe and private place where everyone knows each other. It's like a peaceful village where you can escape the busy city and enjoy nature!

Project Key Highlights

Scenic & Serene Environment:

- Breathtaking views of the Aravalli ranges and expansive green spaces.
- Tranquil ambiance perfect for relaxation and rejuvenation.

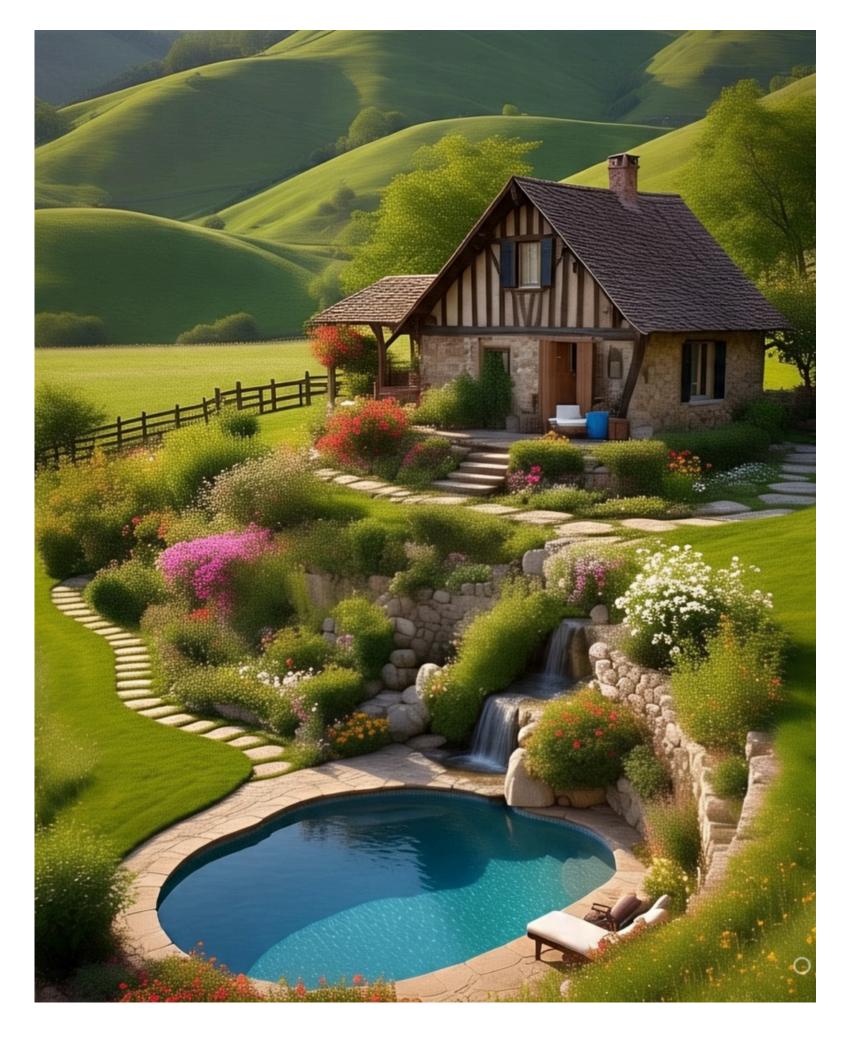
Strategic Location:

- Situated in Kotputli-Banethi, Rajasthan, with easy access to NH-48 (Delhi-Jaipur Highway) Old NH-8.
- o Proximity to Neemrana's industrial zone and upcoming developments in the Delhi-Mumbai Industrial Corridor (DMIC).

Approved & Secure:

- Legally approved plots with clear titles, ensuring a hassle-free investment 8.
- Gated community with 24/7 security for safety and privacy.





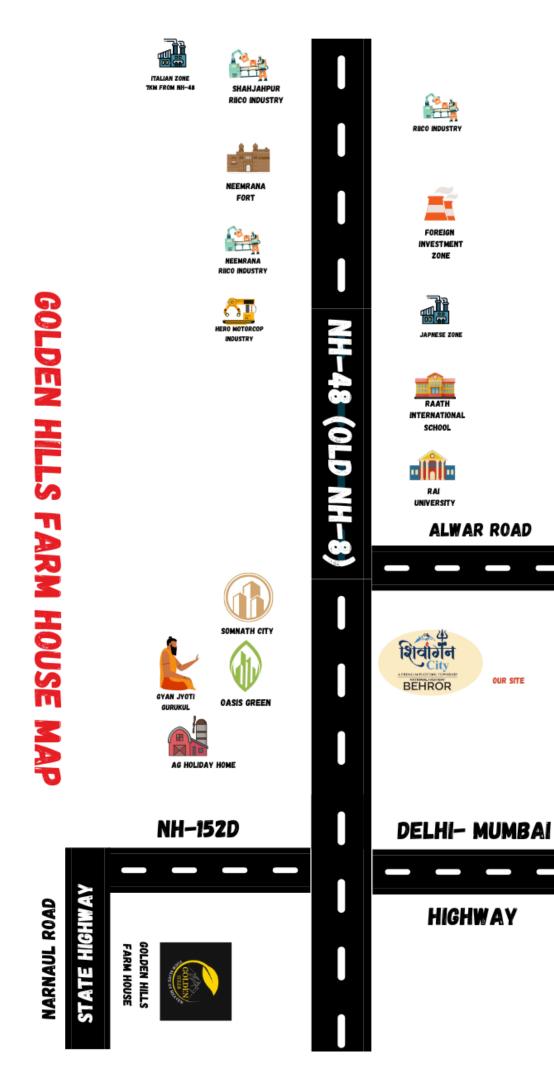
Project Key Highlights

Lifestyle Amenities:

- Farmhouse-friendly infrastructure: Options for organic farming, rainwater harvesting, and solar power integration.
- Potential for custom-built villas or eco-friendly retreats

Investment Potential:

- High demand for farmhouse plots in Rajasthan's fastgrowing periphery near Delhi-NCR.
- Affordable pricing compared to urban real estate, with 500 sq. yd. plots available



Project Key Highlights

Golden Hills is a super cool place where you can be peaceful and close to nature, but it's also easy to get to. It's not far from Delhi, so you can quickly leave the noisy city and chill out in your own special spot. You can also visit the old Neemrana Fort and see pretty waterfalls nearby!

- 140km from Delhi
- 35km to Neemrana
- Natural Waterfalls

बहरोड/कोटपुतली भास्कर 14-09-2023



ए अपने जिले को

र्तमान में जिले में 2 सांसदो का क्षेत्र



जिले में 4 विद्यावक इनमें दो मंत्री



राजस्थान पत्रिका

सिस्टम हीरो होंडा चौक

एवं सादबर हब के

कॉरिडोर से जुड़ेगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

अलवर. अलवरवासियों के लिए

रफ्तार से रॅपिड मेटो टीडेगी। इससे

दिल्ली पहंच सकेंगे।

सामने से मेट्रो

कोटपूतली से शाहजहांपुर तक ६९६ कंपनियां कार्यरत, अब विराटनगर-बानसूर और मुंडावर में नए उद्योग क्षेत्र की तैयारी अभी देशभर के 95 हजार लोग इन कंपनियों में काम कर रहे. नए क्षेत्र बने तो यह संख्या और बढेगी

क्रिक्तम् आरोत्, क्रांस्थ्यः, क्रांस्थ्यः, क्रांस्थ्यः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः, स्वर्णः वेदः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्व के के अर्थनात्र के के अर्थनात्र के अर्य

 बहरोड़ में 1981 में 280 एकड़ में उद्योग क्षेत्र बना, 199 एसंट में 6 हजार कमी। क्रीनलेप, अपेक्स बड़ी कंपनी। केशकाना में 1993 में बने 470 एकड़ एरिया में 5 कावर श्रीमक जुड़े। ओनुसका, कृष्णा पेशर पित्त, टीवान क्षेत्ररीत, रेमकी कड़ी कम्पनी

बड़ी कम्पनी

- सेंतज्ञाना में 1998 में 151 एकड़ में बजा रीक्षे प्रीपात 5 हजर श्रीमक कार्यता श्रीजी लेकोट्टी, कोर्टफेक्स, जलतज्ञीत बड़ी कम्पनी - जैमाजा देवीआईची 2005 में 210 एकड़ में बना 7 हजर में ज्यादा और एकड़में अना 7 हजर में ज्यादा और एक्ट्नके, त्यानहर कम्मजी ।
- जैमारात फेल-2 वर्ष 2006 में 315
एक्ट में ठेक्तरा। करिय 10 हतर प्रिकट है। ठेक्त्य, होटे मेट्रेस्टमें बड़ी कम्मजी ।
- जैमारात जायाजी जैसे 2007 में 1161
एक्ट में बन्दा 30 हतर प्रिकट कमोरा। उहाई में क्या 30 हतर प्रिकट कमोरा। उहाई में क्या 30 हतर प्रिकट कमोरा। उहाई में तुर्व हैं क्या 30 हतर प्रिकट कमोरा। इहाईमा है हिंदे हैं क्या क्षा कंपरी।

दिल्ली से अलवर तक विकसित किया जाना है कॉरिडोर, 160 किमी रपतार से दौडेगी रैपिड मेटो

अब दिल्ली दूर नहीं...गुरुग्राम में मेट्रो लाइन से जुड़ेगा आरआरटीएस कॉरिडोर

भारकर खास • कोटपतली-बहरोड जिले में जापानी जोन सहित 8 रीको एरिया, ये प्रदेश का नया प्रोडक्शन हब

मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी यहां रहना पसंद

रेंपिड टांजिट सिस्टम

की योजना बनाई गई है। इसके

तहत दिल्ली से अलवर तक कॉरिडोर विकसित किया जाना है। ये कॉरिडोर दिल्ली-जयपुर हाइवे

के साथ-साथ विकसित किया

क्लेनियम सिटी मेटो स्टेजन से

होते हुए साइबर हुब तक होना है।

इस रूट पर कई स्टेशन होंगे। इनमें

स्टेशन गुरुग्राम साइबर हब और

ागे पुराने गुरुग्राम के इलाके से

• घीलोठ पर नजर, यहां सबसे ज्यादा मांग, सबसे तेज विकास • धीलांट पर नजार, यहा समस्ये ज्यादा माणा, सावस्ये तेजा विद्यास्य अध्येण १३०० सुन से भा पोला के को प्रांत । अध्येन स्वत्व इत्तर साव १३०० स्वत्व च्या अध्ये अध्ये अध्ये के से १४० स्वत्व अध्ये १३०० स्वत्य अध्ये १३०० स्वत्य अध्ये १३०० स्वत्य अध्ये १३०० स्वत्य अध्ये अध्य दैनिक भास्कर

16-04-2024

बिजनेस भारकर

Business Standard और Bloomberg की सवतें के सव

सेक्टर रिपोर्ट • अभी 40 लाख करोड़ रु. का है, 2034 तक 124 लाख करोड़ रु. तक पहुंचने की उम्मीद

रियल एस्टेट मार्केट १० साल में होगा ३ गुना

देश में शिक्षीराधन और क्रमांतंबन रियन प्रभेट की fewis तिसे से कह की है। वर्गवाद में देश का रिवार सम्देश महीत 40 रसाब बरोह रूपर बर है। अहने वाले ५० माल में चारी 2034 तक इसके 3 तुन में ज्यात बावर 124.55 लगा क्रीर श्या sac rated all pode & rade steen shundard alter shall sixually age this भी ताल रिपोर्ट में यह अनुसार नाका किया

अन्तर्भ 10 वर्षों में करिय 561 राज्य करेड़ शक्त की कीने का अनुकार के इस किय paintflow sive in surve theightenes also अर्थिकार सर्पेवर सर्वकर विचान एउटेट की दिखांड में तिज ब्यूरेको शेषी। 2054 तक देश का र्वेपरेतिराधन कार्बेट २५.७ त्वस्त्र करोड् स्थाः और अधिका क्षेत्र क्षेत्र ५०.४ त्याप प्रतित रपर् का क्षेत्रे का अनुकार है। देश की कुल shife it trun extr durr at fanteri 10th 7.3% By 2034 THE BINE 3.2% सरकार ५०.६% जब प्रशंकी का प्राचीत है। रिया एउटेट सेक्टर की देश के कुल रिजार



बढेगा रिवल एस्टेट MAN ESS SEEDING.

पार्टनिकारत कंपरियां भारत में अपने एमता खोल की है। अगले 10 साल में देश में करीब 170 करोड़ जनेकी? ऑफिय गोम की जातत होगी। इसमें गर्ककर कैपिक्रीक्टी सेंटर्स (जोमीओ), फोर्चकाबल अर्थिका और को-वर्कित र्शना भी बहती दिगांड का निलेष योगदान होगा। 9 .. बढेंगे ग्लोबल कैंप्रोबिलिटी सेंटर्स टेल में अन्ते आरीम 1,700 प्रीमीमी हैं। 2054 सम्र इसके संक्रम 2,000 जब पहुंचने का अनुसन है। प्रीक्रीकी,

में 10.5% हिस्सेदारी 6-8

राज्या जैसे प्रसर प्राचित है। सहस्त्रका बोर्डीवर के बाद अबदीरे और महिलेश इंड्रम्टरी में शोरे जाती बढ़ पास बिराव है। 7.8 wit 68 wind 70 m

9.5 seed 42.5

पार्टिनेशायल बंग्वीयों के देश के बाबर रिधार मेरेर शेरे हैं।

ये पैरंट बंडपरें को अस्ट्री, पहानेंग, सुध्यन रिकेपीज, और

टिवर-2-3 शहरों का रुख कर रहीं कंपनियां

देश के रिपर 2 और 3 शारों में भी अर्थिका रिपन एक्टेंट

की दिखांड और राज्यते में तित्र क्योंकी दर्ज की भई है।

प्रश्नों भोगान रंतीर राज्यदाह प्रातीतन प्रदारण जानन

एक्टिक्स के रिक्ट सम्बेर्ट चर्चिमेज मुर्तेष्ट कराते हैं।

क्ट्रीय 🏂

#blueprint बाईस साल के लिए बनेगा मास्टर प्लान

नेशनल प्लानर बनाएंगे जयपुर का मास्टर प्लान, इकोनोमिक ग्रोथ संग डवलपमेंट का होगा ब्लू प्रिंट



🛘 11 सेटेलाइट टाउन और क्षेत्रफल 2940 वर्ग किलोमीटर 4 ग्रीथ सेंटर हैं, जो अब तक है। इसमें 725 गांव शामिल हैं। विकसित नहीं किए गए। इसमें से करीब 1 हजार वर्ग किलोमीटर एरिया तो करीब-करीब खाली पाद्य हैं। शहर का विश्लार आसानी से यहां किया जा सकेगा।

था। मौजूदा प्लान वर्ष 2025 तक जीवनसाधन के लिए जरूरी शहर शोधीस घंटे पानी व बिजली

तीसरा वर्ष २०११ से २०२५ तक के लिए। २९४०

इसमें 725 गांव शामिल हैं। एक्सपर्ट से समझे केने होना

🖿 रहने योग्य शहर हो, यानी यहां 💮 सप्लाई, सुयुद्ध ड्वेनेज व सीवरेज सिस्टम सार्वजनिक शीवालय। सविधाएं सलभता से उपलब्ध हों। 😝 सहक क्षेत्र के माथ-साथ फटपाय एरिया भी बढे क्योंकि राहगीरों की किसी को चिंता नहीं

जनता को पहले यह चाहिए है। सार्वजनिक परिवहन नीति में अंकित है कि सहक क्षेत्र में चलने का पहला अधिकार राहगीर का है m हर एरिया में सेन्टल पार्क की

अब तक तीन

मास्टर प्लान

वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल है और

तर्ज पर ऑक्सीजोन विकसित हों।

💷 टॉपिक एक्सपर्ट मास्टर प्लान में आर्थिक विकास भी जुड़े



चा हर का वायरा 3000 वर्ग किमी तक फैल चुका है। समुचित इन्फ्रास्टक्चर के अभाव में कितराया ग्रजा व्यवपमेंट सामने हैं। सैटेलाइट राया । भारत्र के वितीकाल जनवार्यो के साथ आर्थिक विकास भी जरूरी है। इसलिए मास्टर प्लान में आर्थिव विकास का समीवश होना ही चाहिए। आवासीय और कॉमर्शियल शवलपमें के साथ-साथ उसी एरिया में शिक्षा, . पर्यटन, मेडिकल हब, छोटे उद्योग जैसी गरिविधियों के लिए भी जनह हो।

संतलित उवलपमेंट के साध-साध नोमिक ग्रोच किस तरह हो, इसके लिए वेश की उच्च स्तरीय टीम को आउटसोर्स करना चारिए। इस पर मंधन भी चल रहा है।

सरकार ने ऋत के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके रहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। उस एरिया को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए धरातल तैयार हो। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

नीमराणा, शाहजहांपुर, बहरोड़, भिवाड़ी और अलवर में कई हजार इंडस्ट्रीज दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर बने तो उद्योगपतियों को मिल सकेगा भरपूर लाभ



पत्रिका न्यूज नेटवर्क

अलवर, दिल्ली से अलवर के बीच प्रस्तावित मेटो कॉरिडोर जिले में औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखने में मददगार साक्षित होगा। क्योंकि शाहजहांपर. नीमराणा. बहरोड, भिवाडी और अलवर क्षेत्र में कई हजार छोटी-बड़ी इंडस्ट्रीज है। मेट्रो कॉरिडोर बनने से उद्योगपतियों की देश की राजधानी से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। श्रमिकों को भी दिल्ली से अलवर के बीच अप-डाउन के लिए बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी। साथ ही उनके आवागमन का समय भी

पुराने अलवर जिले में रीको के 31 औद्योगिक क्षेत्र है। इसमें भिवाडी, टपुकडा, कहरानी, चौपानकी, खुशखेड़ा, नीमराणा, 4500 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां दिल्ली - एस एन बी - अल वर लाभ होगा।

औद्योगिक क्षेत्रों में नहीं रेल सेवा भिवाडी, टपुकडा, कहरानी, चौपानकी, में रेलसेवा नहीं होने के कारण

खशखेडा, नीमराणा, घीलोट, बहरोड उद्योगपतियों को अपने माल को आदि काफी विकसित औद्योगिक क्षेत्र वाहर भेजने के लिए काफी हैं। यहां जापानी जोन, कोरियाई जोन ट्रांसपोर्टेशन खर्च करना पड़ रहा है। सहित सैकडों बडी मल्टी नेशनल कम्पनियों के प्लांट लगे हैं, लेकिन ये औद्योगिक क्षेत्र आज तक रेलसेवा से दिल्ली आने-जाने में काफी समय नहीं जुड़ पाए हैं। इन औद्योगिक क्षेत्रों लग रहा है।



काम करने वाले कर्मचारियों को भी रैपिडएक्स 164 किमी की स्वीकत सेमी-हाई स्पीड रेल लाइन है, जो दिल्ली-गरुगाम-धारूहेडा-रेवाडी-एसएनवी (शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़)-अलवर को आपस में जोडेगी। रीजनल रैंपिड ट्रांजिट सिस्टम लाइन (आरआरटीएस) अपने पहले चरण में दिल्ली-एसएनबी (106 किमी) को जोड़ेगी।

साथ ही उद्योगपति और उनके यहां

दूसरे चरण में एसएनबी से संचालित है। इनमें कई नामचीन सोतानाला (35 किमी) तथा तीसरे घीलोट, बहरोड़, एएमआईए, पुराना मल्टी नेशनल कम्पनियां भी हैं। इन चरण में एसएनबी से अलवर (58 औद्योगिक क्षेत्र ईटाराना, खैरथल, औद्योगिक इकाइयों में तीन लाख से किमी) को जोड़ने की योजना है। राजगढ़ एवं थानागाजी में प्रमुख ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। 199 किमी लंबा रैंपिड मेट्रो गलियारा औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। जिनमें एनसीआरटीसी की ओर से प्रस्तावित बनने से यहां के उद्योगों को काफी

दिल्ली की दरी कम जयपुर से दिल्ली के बीच की दूरी करीब 308 किलोमीटर है। जिसे तय करने में करीब साढे पांच से छह घंटे का समय लगता है, लेकिन मेट्रो कॉरिडोर बनने के बाद जयपुर से दिल्ली की दूरी भी कम जाएगी। जयपुर से दिल्ली चार से साढे चार घांटे में पहंचा जा सकेगा। क्योंकि मेटो कॉरिडोर के तहत रैपिड मेटो का एक स्टेशन बहरोड-जयपुर हाइवे पर पनियाला के समीप सोतालाना में बनेगा। वहीं, एक स्टेशन अलवर में बनेगा। ऐसे मे जयपुर से दिल्ली जाने वाले लोग बहरोड या अलवर तक किसी भी संसाधन से आ सकते हैं और उसके बाद रैपिड मेट्रो से दिल्ली पहुंच

सकेंगे।

जयपर से भी होगी

मेटो कॉरिडोर: दिल्ली से अलवर तक बनेगा, दो-तीन साल में होगा तैयार

160 किमी की रफ्तार से डेढ़ घंटे में अलवर से दिल्ली पहुंचेगी रैंपिड तीन चरणों में

अलवर से दिल्ली यह रहेगा रूट

धनागर

करेंगे।

इसके बाद देश के ख्यात टाउन

प्लानस् को भी शामिल करने की

प्रक्रिया शुरू की जा रही है। शहर

का चौथा मास्टर प्लान 22 साल के

लिए बनेगा। वंश की आजादी के सौ

वर्ष परे होने के कारण मारतर प्रवान

2047 के लिए होगा. जबकि पहले

यह 25 साल के लिए बनाने का प्लान

नजदीक होने जा रही है। दिल्ली र अलवर के बीच प्रस्तावित मेटो कॉरिडोर को लेकर राष्ट्रीय राजधानी परिवहन (एनसीआरटीसी) ने प्रक्रिया तेज कर दी हैं। अभी दिल्ली से गुरुग्राम तक मेट्रो ट्रेन चलती है। गुरुग्राम से अलवर तक रैंपिड ट्रेन चलाने की योजना है। हालांकि मेटो कॉरिडोर बनने में अधी दो से तीन साल का समय लगेगा। लेकिन कॉरिडोर बनने के बाद अलवर से दिल्ली तक 160 किमी तीसरे चरा प्रतिघंटा की रफ्तार से रैपिड

अलवर से दिल्ली अब

में होगा निर्माण ट्रेन दौड़ेगी जो छेढ़ घंटे में दिल्ली की दरी नाप लेगी। साथ ही दिल्ली से राजस्थान के ओद्योगिक संबंध और ज्य मजबत होंगे। गरुगाम सहबर सिटी में हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा। इसर प्रानेम्प्र में लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी

राजस्थान-हरियाणा सरकार की मंजरी

विल्ली-एसएनुबी खंड के लि डीपीआर को दिसंबर 2018 में रनसीआरटीसी के बोर्ड, फरवरी 201 में हरियाणा सरकार और जून 2019 निर्माण के लिए मंज़री दी जा चुकी है।

नई दिल्ली जयपुर से दिल्ली जाने वाले यात्री सराय काले खां इफको चौक रेवाडी

सकेंगे। इसमें उन्हें मात्र सवा से डेढ

से चार घंटे लगते हैं। दिल्ली और आस-पास रहने की बजाय लोग मानेसर से लेकर अलवर तक रहना पसंद करेंगे। इससे दिल्ली नसीआर में आबादी-ट्रैफिक का दबाव, प्रदूषण भी कम होगा। आरआरटीएस नेटवर्क से जोडेगी।

आईएनए अपने निजी साधन दिल्ली-एसएनबी-अलवर रैपिडएक्स 164 किमी की स्वीकत कर टेन से दिल्ली आ-जा सकेंगे। इसी दिल्ली-गरुगाम-धारूहेडा-रेवाडी एसएनबी (शाहजहांपुर-तरह जयपुर या अन्य शहरों के व्यापारी भी दिल्ली नीमराना-बहरोड़)-अलवर को आपस में जोडेगी। जाकर सामान की एनसीआरटीसी इसे तीन चरणों में खरीद कर सकेंगे।

विकसित करेगी। रीजनल रैपिड आरआरटीएस) अपने पारले चरप में दिल्ली -एसएनबी (106 किमी) को जोड़ेगी। इसके बाद दूसरे चरण में एसएनबी से सोतानाला (35 किमी) और अंत में तीसरे चरण में एसएनहीं से अनवर (58 किसी) को जोड़ने की योजना है। यह परी 199 किमी लंबी गलियारा लाइन होगी परियोजना की अनमानित लागत

होगा विकास..

सेमी-हाई स्पीड रेल लाइन है, जो

दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर की डीपीआर (विस्तृत रियोजना रिपोर्ट) फिलहाल भारत सरकार के पास विचाराधीन है। वहां से डीपीआर मंजर होने के बाद एनसीआरटीसी इस प्रोजेक्ट पर

खुशखबर हैं। अब उनके लिए दिल्ली दूर नहीं होगी। गुरुग्राम साइबर सिटी में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा। इससे यह लाभ होगा कि मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी के विभिन्न इलाकों में आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही

जानकारी के अनुसार एनसीआरटीसी की ओर से फरले चरण में दिल्ली-गुरुग्राम-किलोमीटर का कॉरिडोर

औसतन रफ्तार 80 से 100 किमी पति छंटा रहेगी।

07/08/2024 | Neemrana Behror | Page : 4

जानकारी के अनुसार दिल्ली और सड़कों पर से ट्रॅफिक का

एनसीआर के ऊपर से आबादी दबाव कम करने के लिए रीजनल

हिले चरण में 106 किमी का कॉरिडोर बनेर विकसित किया जाएगा। हीरो होंडा चौक स्टेशन के आरआरटीएस कॉरिडोर पर नजदीक से आरआरटीएस कॉरिडोर से गुजरेगा। जंक्शन अधिकतम १६० किमी प्रतिद्यंटा की रफ्तार से ट्रेनें चलेंगी। बनाए जाने से आरआरटीएस के

साइबर सिटी के विभिन्न इलाकों में आसानी से पहुंच सकेंगे

यात्री मेट्रो की सुविधा का और मेट्रो के यात्री आरआरटीएस की

सविधा का आसानी से लाभ उठा काफी लाभ होगा।

लाइन और आरआरटीएस कॉरिडोर को आपस में जोड़ने से

इसका लाभ यह होगा कि दिल्ली और आसपास रहने की बजाय लोग मानेसर से लेकर

अलवर तक रहना पसंद करेंगे।

इससे दिल्ली एनसीआर में आबादी और ट्रैफिक का दबाव

भी कम हो सकेगा। वहीं, प्रदूषण

गुरुग्राम में विस्तार

कारपोरेशन के एक अधिकारी वे

आरआरटीएस विकसित करने के

शुरू होने की उम्मीद है। मेट्रो

का स्तर भी कम होगा।

का काम शुरू

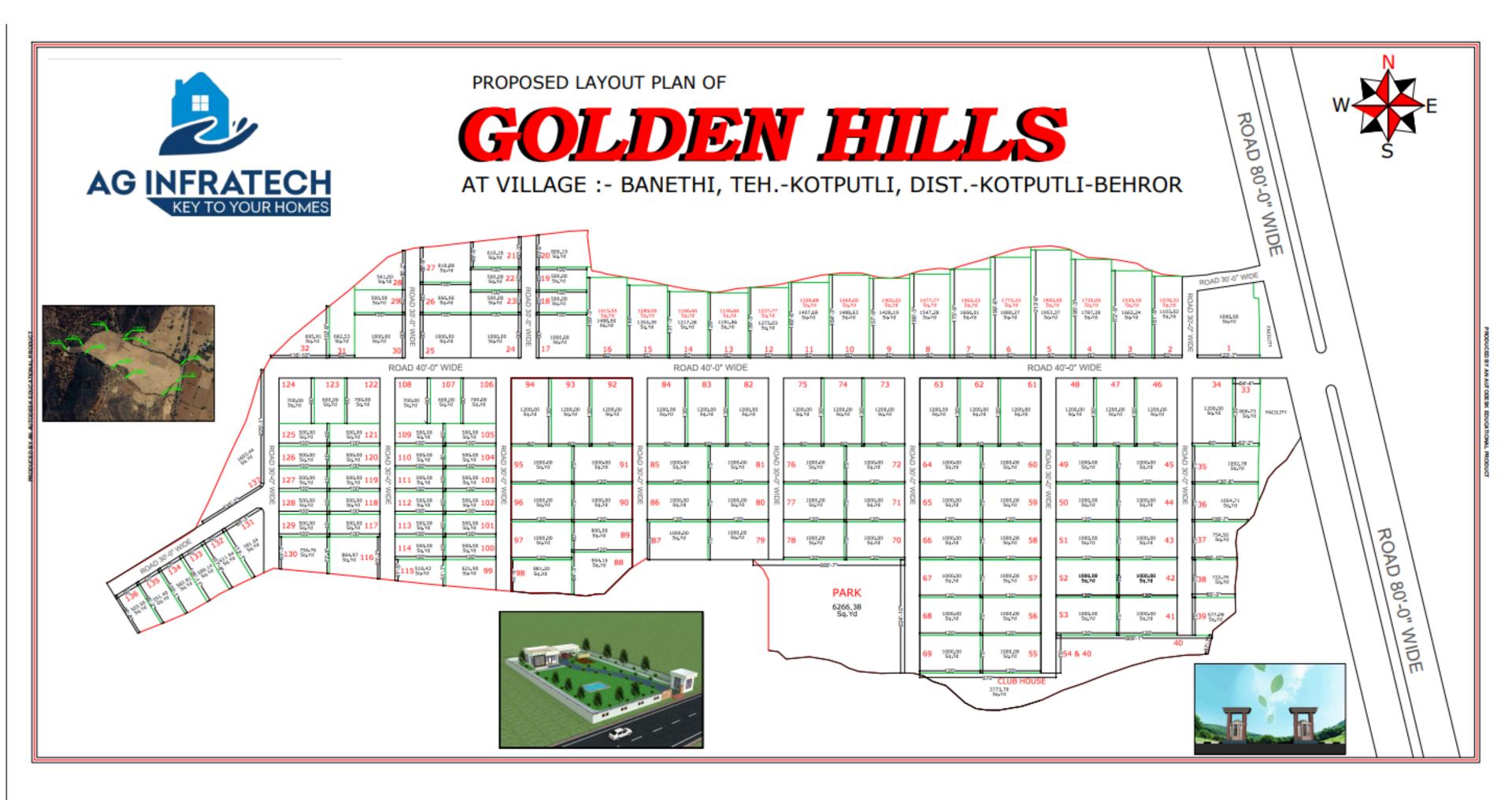
16/10/2024 | Neemrana Behror | Page: 4

37.000 करोड रुपए है। डीपीआर का इंतजार

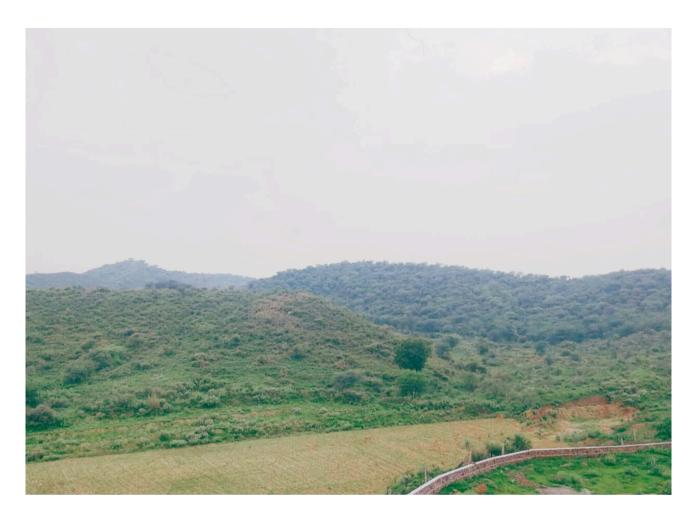
औद्योगिक विकास को लगेंगे पंख विल्ली से अलवर के बीच

औद्योगिक में कई मल्टी नेशनल कम्पनियों की औद्योगिक इकाइय अलवर से दिल्ली जाने में साढ़े तीन | है। रेल लाइन नहीं होने से यहां का औद्योगिक विकास पिछड रहा है। 4 और औद्योगिक क्षेत्रों से

होकर गुजरेगी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की उत्पादकता बढाने



Site View







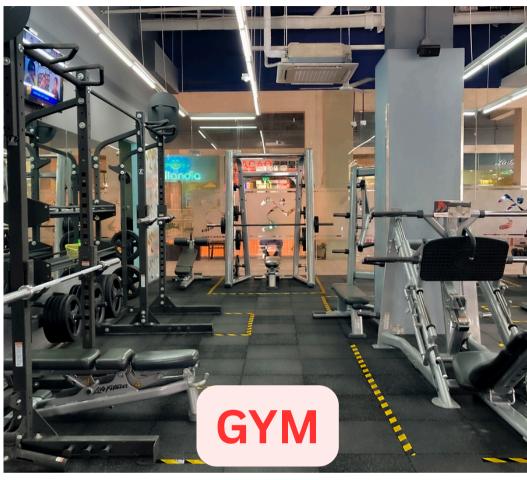


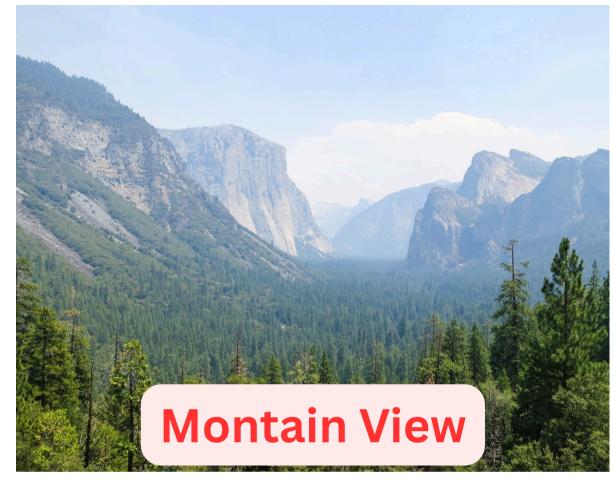




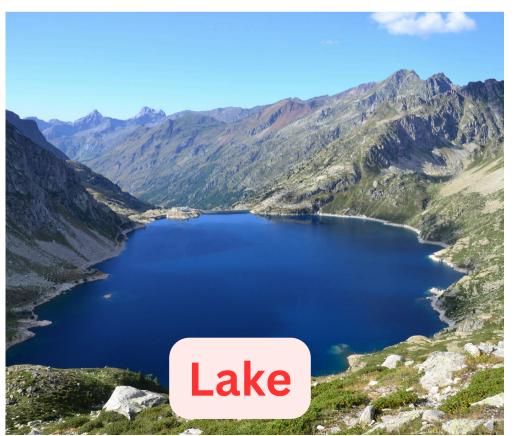
AMENITIES

















Our Delivered Projects



Payment PLAN

At Golden Hills, we offer flexible payment plans to make your dream farmhouse plot a reality. Choose the plan that best suits your financial needs and embark on your journey to owning a piece of paradise in the Aravalli foothills. Each plan is designed for your convenience and offers attractive savings.

Plan A (1 Month)

Effective Price: 4,941/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- 10% Booking: 2.47L
- 90% in 30 days

SAVE 2.74L

Plan A (3 Month)

Effective Price: 5,490/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- 10% Booking: 2.47L
- 90% in 30 days
- Registry at 50%

Plan A (6 Month)

Effective Price: 5,490/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- 10% Booking: 2.47L
- 90% in 30 days
- 50% at 6 months

contact us



- +91-9810675132, +91-96437 25718
- www.aginfratech.in
- Info@aginfratech.in, infoashugroup@gmail.com
- Mead Office:

Office no, 10, Sector 12 Rd, Near Singha chowk, Sector 12, Gurugram, Haryana 122001

Site Office:

Village Banethi, Near Paniayala Mod, Rajasthan-303105